/font>

Title: Need to bring a legislation to ban cow-slaughter- Laid.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : महोदय, अपनी सरलता और उपयोगिता के कारण गौवंश की महत्ता प्रायः सभी सभ्य देशों में न्यनाधिक रूप में विद्यमान है। भारत जैसे धर्मपरायण एवं कृि देश में तो जननी अनादिकाल से लौकिक और पारलौकिक सभी दृटियों से सुप्रतिठित है, जिसकी झलक धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष जैसे चारों पुरूाार्थों में सेवा से सफलता देने वाली गौ की विशेाताओं में देखी जा सकती है। यह कितनी विडम्बनापूर्ण बात है कि राम, कृण, बुद्ध, महावीर और गांधी के देश में प्रतिदिन 29500 गोवंश विभिन्न बूचड़खानों में या कसाइयों के हाथों तथा अन्य स्थानों में मौत के घाट उतार दिए जाते हैं। भारतीय जीव-जन्तु कल्याण बोर्ड ने भारतीय नस्ल की गोवंश के संबंध में जो आंकड़े दिए हैं-गोवंश के निरन्तर ह्रसमान दुखद स्थिति की ओर हमारा ध्यान आकर्िात करता है। गौवंश की 22 प्रजातियों में से छः प्रजातियां समाप्त हो चुकी हैं तीन प्रजाति समाप्ति की ओर हैं। 1951 में जहां 1000 व्यक्तियों पर गोवंश का अनुपात 426 था, वहीं 1991 तक पहुंचते-पहुंचते यह संख्या मात्र 216 रह गयी है।

अतः मैं आपके माध्यम से माननीय प्रधान मंत्री से अनुरोध करता हूं कि देश की संसदी सम्पूर्ण गोवंश की हत्या पर प्रतिबंध लगाने वाले सार्वदेशिक प्रभाव वाला कानून बनाएं।